हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष 2016 की द्वितीय विशेष बैठक की कार्यवाही, जो दिनांक 30 मार्च, 2016 को दोपहर 12–00 बजे आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :–

1– आचार्य राजिन्द्र सिंह चौहान, प्रति कुलपति
2– आचार्य एम0एस0 चौहान, अधिष्ठाता, भौतिक विज्ञान संकाय
3– आचार्य हिम चटर्जी, अधिष्ठाता प्रदर्शन एवं दृश्य कलाएं संकाय
4– श्री कृष्ण वैद्य, प्राचार्य
5– आचार्य सतीश चन्द भढवाल
6– श्री चन्द्र शेखर नामितीं राज्य सरकार
7– श्रीमती राज कुमारी, प्रतिनिधि गैर–शिक्षक कर्मचारी
8– श्री हरीश जनारथ, नामिती माननीय कुलाधिपति
9– डॉ0 अनुराग शर्मा, सह–आचार्य
10–डॉ0 पंकज ललित – कुलसचिव
सदस्य–सचिव

<u>मद संख्या–1:</u> कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की ***वर्ष 2016 की द्वितीय नियमित बैठक*** में कुलपति महोदय ने सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया ।

कुलपति महोदय ने कार्यकारिणी परिषद् के लिए नव–निर्वाचित सदस्या श्रीमती राजकुमारी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया और विश्वास व्यक्त किया कि वे विश्वविद्यालय के चहुमुखी विकास के लिए अपना सकारात्मक सहयोग देती रहेंगी।

उन्होंने कार्यकारिणी परिषद् को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय ने कुशल वित्त प्रबन्धन द्वारा जहां एक ओर दिसम्बर, 2015 तक सेवानिवृत हुए प्राध्यापकों/कर्मचारियों के पैन्शन, ग्रेच्युटी इत्यादि का भुगतान कर लिया है वहीं विश्वविद्यालय अपने संसाधनों से अपनी

आय बढ़ाने में सार्थक प्रयास कर रहा है। इसके साथ–साथ प्रदेश सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के बजट में 11 करोड़ रूपये की वृद्धि के लिए भी कार्यकारिणी परिषद् ने माननीय मुख्यमन्त्री श्री वीरभद्र सिंह जी एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

कुलपति महोदय ने परिषद् को अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2016–17 में विश्वविद्यालय का अनुमानित व्यय रूपये 177.50 करोड़ है तथा विश्वविद्यालय की प्राप्तियां रूपये 157.13 करोड़ की है। इस प्रकार इस वित्तीय वर्ष में कुल घाटा रूपये 20.37 करोड़ का प्रस्तावित है जिसे विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश सरकार से अतिरिक्त अनुदान प्राप्त करके और अपने आय के स्त्रोत से पूर्ण करने का प्रयास करेगा।

कुलपति महोदय ने कार्यकारिणी परिषद् को यह भी सूचित किया कि इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाएं आयोजित की गईं:–

1. दिनांक 12 मार्च 2016 को पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ से सम्बद्ध मालवा केन्द्रीय महिला शिक्षण महाविद्यालय, लुधियाना के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप विश्वविद्यालय की ओर से शामिल हुआ।

2. दिनांक 14 मार्च 2016 को वार्षिक बजट के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागाध्यक्षों, निदेशकों, अधिष्ठाताओं, कुलसचिव के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

3. दिनांक 18 मार्च 2016 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बौद्धिक सम्पदा और ज्ञान युग में अभिनव प्रबन्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

4. दिनांक 22 मार्च 2016 को राजकीय महाविद्यालय सीमा, रोहडू के वार्षिक पारितोषिक वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुआ।

5. दिनांक 23 मार्च 2016 को जीव विज्ञान विभाग द्वारा हिमालय जैव विविधता एवं संसाधनों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

6. दिनांक 26 मार्च को सांख्यिकी एवं गणित विभाग की सैप से सम्बन्धित सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

7. दिनांक 28 मार्च 2016 को बाबसाहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ की प्रबन्धन बोर्ड की बैठक में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा नामित सदस्य के रुप में शामिल हुआ।

8. दिनांक 29 मार्च 2016 को विश्वविद्यालय सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के सम्बन्ध में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् की विशेषज्ञ समिति के साथ बैठक आयोजत की गई।

9. दिनांक 30 मार्च 2016 को वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित 'मेक इन इण्डिया' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

उन्होंने कुलसचिव से आग्रह किया कि आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा एवं निर्णय के लिए प्रस्तुत करें।

बैठक के प्रारम्भ में कुलसचिव ने कार्यकारिणी परिषद् को अवगत कराया गया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा) हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें दिनांक 29–3–2016 को दूरभाष पर कार्यकारिणी परिषद् की दिनांक 30–3–2016 को निर्धारित बैठक पर चर्चा के लिए बुलाया गया और कहा कि दिनांक 30–3–2016 को वर्तमान विधान सभा सत्र में शिक्षा विभाग का दिन नियत है तथा इस दिन शिक्षा विभाग से सम्बन्धि मामले चर्चा हेतु रखे गए हैं जिस कारण वे स्वयं अथवा शिक्षा सचिव तथा निदेशक, उच्चतर शिक्षा उक्त बैठक में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा उनके पास बैठक की कार्यसूची भी उपलब्ध नहीं है जिस पर उन्होंने चर्चा की और यह निर्देश दिया कि चूंकि यह कार्यकारिणी परिषद् की विशेष बैठक है अतः इसमें विश्वविद्यालय बजट तथा विश्वविद्यालय में परीक्षा नियन्त्रक की नियुक्ति सम्बन्धी मदें जोकि अनिवार्य प्रकृति की हैं के अतिरिक्त कोई अन्य मद चर्चा हेतु न रखा जाए।

जिस पर सदस्य श्री हरीश जनारथा ने कहा कि कार्यकारिणी परिषद् बैठक में किसी भी मामले पर चर्चा करने और उस पर कोई निर्णय लेने के सक्षम प्राधिकारी है इसलिए परिषद् इन दो मदों के अतिरिक्त भी किसी अन्य मद पर चर्चा कर कोई निर्णय ले सकती है जिसका समस्त सदस्यों ने समर्थन किया।

मद संख्या–2: बजट अनुमान वर्ष 2016–2017 तथा संशोधित अनुमान वर्ष 2015–2016 कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने विश्वविद्यालय के बजट अनुमान वर्ष 2016–2017 तथा संशोधित वर्ष 2015–2016 को अनुमोदित किया।

सदस्य श्री चन्द्र शेखर ने कहा कि विश्वविद्यालय बजट में छात्रावासों के रख–रखाव के लिए 1.5 करोड़ रूपये की धन राशि का जो प्रावधान रखा गया है वह बहुत कम है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस धन राशि को बढ़ाकर कम से कम 4.5 करोड़ रूपये किया जाये ताकि छात्रावासों का रख–रखाव ठीक ढंग से हो सके। उन्होंने तथा सदस्य श्री हरीश जनारथा ने कहा कि विश्वविद्यालय में केवल 40 प्रतिशत छात्रों को ही छात्रावास सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है जबकि शेष छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं हो रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय में लड़कों के कम से कम दो अतिरिक्त छात्रावासों का निर्माण किया जाये। इस पर कुलपति महोदय ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में छात्राओं के लिए नये छात्रावास **विद्योत्तमा** का निर्माण किया है जिसमें 132 छात्राओं के ठहरने

की व्यवस्था की गई है और इस छात्रावास की शीर्ष मंजिल का निर्माण रूसा प्रणाली के अंतर्गत उपलब्ध धन राशि से किया जायेगा जिसमें 57 छात्राओं के ठहरने की व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त लड़कों के दो छात्रावासों के लिए धन उपलब्ध कराने हेतु मामला मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, व प्रदेश सरकार से उठाया जायेगा।

सदस्य श्रीमती राज कुमारी ने विश्वविद्यालय को वर्ष 2016–2017 के लिए 11 करोड़ रूप्ये का अतिरिक्त बजट प्रदान करने और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के आवासों की मुरम्मत तथा रख–रखाव हेतु 75 लाख रूपये का बजट प्रावधान करने के लिए प्रदेश सरकार तथा विश्वविद्यालय का धन्यवाद किया। हालांकि उन्होंने कहा कि यह बजट विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नाकाफी है अतः उन्होंने कार्यकारिणी परिषद् के सम्मानित सदस्यों से आग्रह किया कि विश्वविद्यालय को अतिरिक्त बजट प्रदान करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी से आग्रह किया जाए।

मद संख्या–3: निर्माणाधीन भवन मल्टी फकल्टी (चरण–II) के बाधित निर्माण कार्य को पुनः आरम्भ करने बारे गठित समिति की सिफारिशें कार्यकारिणी परिषद् के अवलोकनार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत हैं।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने चर्चा के बाद मद को वापिस लेने का निर्णय लिया।

कार्यकारिणी परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों के लिए पिछले तीन वर्ष में कितनी धन राशि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, प्रदेश सरकार व अन्य एजैन्सियों से प्राप्त हुई और उसमें से कितनी राशि किन–किन भवनों के नर्माण कार्य पर व्यय हुई का पूर्ण ब्यौरा मद के रूप में परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया जाये।

मद संख्या–4: डॉ0 जोगिद्र सिंह नेगी जो हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में परीक्षा नियन्त्रक के पद पर नियुक्त हुए हैं को उनके पद पर कार्यग्रहण समय 35 दिनों के अतिरिक्त 30 दिनों (दिनांक 31–3–2016) तक छूट प्रदान करने व उनके पिछले विभाग में लिए जा रहे वेतन को विश्वविद्यालय में संरक्षित करने बारे मामला कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष विचारार्थ व अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने डॉ0 जोगिन्द्र सिंह नेगी जिन्हें हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 27–01–2016 को परीक्षा नियन्त्रक के पद पर नियुक्ति पत्र जारी किया गया है के सन्दर्भ में डॉ0 जोगिद्र सिंह नेगी द्वारा किये गये आवेदन का अवलोकन करने के उपरान्त उन्हें कार्यग्रहण करने के लिए दिये गये 35 दिनों के समय के अतिरिक्त 30 दिन अर्थात दिनांक 31–03–2016 तक कार्यग्रहण करने की स्वीकृति प्रदान की। इसके अतिरिक्त

कार्यकारिणी परिषद् ने डॉ0 जोगिन्द्र सिंह नेगी को विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा नियन्त्रक के पद पर कार्यग्रहण के लिए लगाई गई शर्तों पर छूट देने हेतु निम्नलिखित निर्णय लिया:–

1– विश्वविद्यालय में परीक्षा नियन्त्रक का कार्य ग्रहण करने पर उनका उनके मूल विभाग में कार्यग्रहणावधि (lien) रखी जाए।

2– उन्हें सेवानिवृत्ति लाभ पूर्व पुरानी पेंशन योजना/अर्थात सामान्य भविष्य निधि (GPF) के अंतर्गत प्रदान किये जाएं ।

3– उन्हें उनके मूल विभाग में मिल रहे वर्तमान पद के वेतनमान और ए.जी.पी. को संरक्षित रखा जाए ।

4– यदि वे न्यूनतम दो वर्ष की अवधि से पूर्व परीक्षा नियन्त्रक का पद छोड़ना चाहते हैं तो उन्हें नियमों के मुताबिक एक–तिहाई वेतन विश्वविद्यालय में जमा करने से छूट होगी।

कार्यकारिणी परिषद् ने उपरोक्त निर्णय को एक विशेष प्रकरण के तौर पर अपनी स्वीकृति प्रदान की तथा यह भी निर्णय लिया कि भविष्य के लिए इसे परम्परा न माना जाए।

मद संख्या–5: विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में पहने जाने वाले परिधानों में आंशिक परिवर्तन करने बारे मामला कार्यकारिणी परिषद् के अवलोकन एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने माननीय कुलाधिपति के आदेश और माननीय कुलपति महोदय द्वारा गठित समिति द्वारा आचार्य हिम चटर्जी दृश्य कला विभाग को विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में पहने जाने वाले शैक्षणिक परिधानों में आंशिक परिवर्तन हेतु प्रारूप तैयार करने के लिए अधिकृत किया था के आधार पर विश्वविद्यालय अध्यादेश 41.6 के निहित प्रावधान में शैक्षणिक परिधानों में आंशिक परिवर्तन/संशोधन जिसमें हिमाचली संस्कृति की झलक को शामिल किया गया है को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया।

कार्यकारिणी परिषद् ने यह भी निर्णय लिया मैं0 यूनिवर्सिटी टेलर्ज एण्ड ड्रापर्ज, दिल्ली जिनसे विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह के लिए शैक्षणिक परिधान उपलब्ध करवाने के लिए दिनांक 4 अक्तूबर, 2020 तक अनुबन्ध कर रखा है से समझौते के लिए बातचीत (negotiation) करके उनके साथ किये गये अनुबन्ध को निरस्त किया जाये।

.....

यथा–स्थान की गई चर्चा

सदस्य श्री हरीश जनारथा ने एकीकृत हिमालयन अध्ययन संस्थान में कार्यरत वरिष्ठ शोध, शोध अधिकारियों और परियोजना अधिकारियों के वेतन निर्धारण का मामला उठाया। जिस पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त कार्यकारिणी परिषद् ने यह निर्णय लिया कि मामले को पूर्ण तथ्यों सहित कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

सदस्य श्री चन्द्र शेखर ने कहा कि रूसा प्रणाली के अंतर्गत ली गई परीक्षाओं के परीक्षा परिणामों को समयबद्ध घोषित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा इसकी हर-सप्ताह समीक्षा की जाए और इन्हें समय पर घोषित करने के लिए यथासम्भव प्रयास किये जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि रूसा प्रणाली के अंतर्गत ली जा रही परीक्षाओं की वस्तुस्थिति कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष प्रस्तुत की जाये।

सदस्य श्री कृष्ण वैद्य ने कहा कि विश्वविद्यालय संकाय गृह में कई सुविधाओं विशेषकर पानी की काफी कमी रहती है जिससे महाविद्यालयों व बाहर से आने वाले अतिथियों को कठिनाई का सामनां करना पड़ता है और इससे विश्वविद्यालय की छवि भी खराब होती है। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि संकाय गृह के प्रत्येक कमरे में हीटर इत्यादि लगाने की भी व्यवस्था की जाये ताकि बाहर से आने वाले अतिथि कम से कम चाय इत्यादि का प्रबन्ध अपने स्तर पर कर सकें। अतः उन्होंने कुलपति महोदय से आग्रह किया कि वे विश्वविद्यालय संकाय गृह में पानी व अन्य व्यवस्थाएं करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें।

श्री कृष्ण वैद्य द्वारा उठाये गये मामले पर कार्यकारिणी परिषद् ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय संकाय गृह में पानी की उचित व्यवस्था कर यहां पानी गर्म करने के लिए सोलर गीजर लगाने की संभावना तलाश की जाए ताकि बाहर से आने वाले आतिथेयों को इसकी सुविधा मिल सके।

सदस्य श्रीमती राज कुमारी ने कहा कि विश्वविद्यालय में अधीक्षक व इससे ऊपर की श्रेणियों के कई पद इन श्रेणियों की पदोन्नति के निर्धारित पात्रता पूर्ण न करने के कारण रिक्त चल रहे हैं अतः इन पदों के लिए निर्धारित न्यूनतम पात्रता में छूट देकर इन्हें इन रिक्त पदों पर पदोन्नति प्रदान की जाए। जिस पर परिषद् ने निर्णय लिया कि अधीक्षक व इससे ऊपर की श्रेणियों को पदोन्नति में एक बार छूट प्रदान करने के लिए मामला पूर्ण तथ्यों सहित वित्त समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाये।

श्रीमती राज कुमारी ने यह भी कहा कि 1970 में जब विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी उस समय छात्रों और छात्रावासों की संख्या कम थी। और 1970 में छात्रावासों में रसोइये के 11 पद सृजित किये थे। अब विश्वविद्यालय में कई नये छात्रावासों का निर्माण हुआ है और छात्रों की संख्या में भी कई गुणा वृद्धि हुई है जिसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा तदर्थ आधार पर 13 और कॉन्टीजैन्सी से भी 13 मैस हैल्पर की नियुक्ति की गई थी और इन मैस हैल्परों को विश्वविद्यालय में कार्य करते हुए 12–13 वर्ष का समय बीत चुका है लेकिन विश्वविद्यालय में छात्रावासों में कार्य कर रहे इन मैस हैल्परों के लिए पदों का सृजन न होने के कारण इनका नियमितीकरण नहीं हो पा रहा है जिस पर कई बार वित्त समिति एंव कार्यकारिणी परिषद् में भी चर्चा हो चुकी है परन्तु अब तक इनके पदों का सृजन नहीं हो सका है। अतः श्रीमती राज कुमारी ने आग्रह किया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में कार्य कर रहे इन मैस हैल्परों के लिए पदों का सृजन करने हेतु मामला वित्त समिति में रखा जाए। जिस पर कार्यकारिणी परिषद् ने निर्णय लिया कि मामले को पूर्ण तथ्यों सहित वित्त समिति के समक्ष रखा जाए।

अन्त में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

हस्ता0/–
(डॉ0 पंकज ललित)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी)
कुलपति/सभापति